

रज़िर्व बैंक के खिलाफ़ क्रपिटो वनिमिय केंद्र एक साथ

चर्चा में क्यों?

बटिकॉइन से संबंधित किसी भी लेन-देन का समर्थन करने से बैंकों को रोकने से संबंधित हाल के नियमों से परेशान होकर भारतीय क्रपिटोकॉरेंसी वनिमिय केंद्रों (Crypto exchanges) ने कानूनी वकिलों का अनुसरण करने का फैसला किया है। अप्रैल में जारी भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) के आदेश को चुनौती देने के लिये छह वनिमिय केंद्रों ने कानून का सहारा लिया है।

महत्त्वपूर्ण बट्टि

- सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, चार वनिमिय केंद्रों- कॉइनडेल्टा (Coindelta), कोइनेक्स (Koinex), थ्रूबटि (Throughbit) तथा कॉइनDCX (Coin DCX) ने रज़िर्व बैंक के खिलाफ़ संयुक्त रटि याचिका दायर की है।
- दो अन्य वनिमिय केंद्रों कॉइनरकोइल (CoinRecoil) तथा मनीट्रेड (Money Trade) कॉइन ने भी रज़िर्व बैंक तथा केंद्र के खिलाफ़ दल्लि उच्च न्यायालय में अलग-अलग मुक़दमा दायर किया है।
- सुप्रीम कोर्ट में यह संयुक्त याचिका भारतीय संवधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर की गई है।
- यह याचिका रज़िर्व बैंक द्वारा दिये गए आदेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती है।
- दल्लि उच्च न्यायालय में कॉइनरकोइल की याचिका अनुच्छेद 14 तथा अनुच्छेद 19(1)(g) के तहत दायर की गई है, जो क्रमशः समान सुरक्षा तथा व्यापार की स्वतंत्रता का वर्णन करते हैं।
- अहमदाबाद स्थित इस वनिमिय केंद्र ने नयिमक के खिलाफ़ कोई वैध कारण या तर्क संगतता दिये बनिा नरिदेश पारति करने का मामला दर्ज किया।
- इसके अलावा यह याचिका क्रपिटोकॉरेंसी पर रज़िर्व बैंक के दशिया-नरिदेशों को भी अनावश्यक मानती है।
- हालाँकि रज़िर्व बैंक के अनुसार यह नीतिआधारित नरिणय है।

क्रपिटोकॉरेंसी

- क्रपिटोकॉरेंसी, क्रपिटोग्राफी प्रोग्राम पर आधारित एक वरचुअल कॉरेंसी या ऑनलाइन मुद्रा है।
- यह पीयर-टू-पीयर (P2P) केश सिस्टम है।
- क्रपिटोकॉरेंसी को डिजिटल वॉलेट में ही रखा जा सकता है।
- वास्तव में क्रपिटो-कॉरेंसी के इस्तेमाल के लिये बैंक या किसी अन्य वतित्तीय संस्थान की आवश्यकता नहीं होती।